श्रेष्ठ मूल्यों से ही श्रेष्ठ समाज का निर्माण-आलोक राज

आत्म-विश्वास व दृढ़ निश्चय ही सफलता के मूल मंत्र-ब्र.कु. शुक्ला दीदी

भारतीय सुरक्षा सेवा अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

ओ.आर.सी.-गुड़गांव। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आत्म-विश्वास का होना बहुत ज़रूरी है। जितनी हमारे अंदर दृढ़ इच्छा शक्ति होगी, उतना ही हम विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिर रह सकते हैं। उक्त विचार ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. शुक्ला दीदी ने भारतीय सेनाओं एवं अर्द्ध सैनिक बलों के लिए आयोजित त्रिदिवसीय कार्यक्रम में `डायलॉग ऑन इंस्पीरेशन लीडरशिप एंड सेल्फ एम्पावरमेंट' विषय पर व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय दु:ख एवं अशान्ति का मूल कारण हमारी आंतरिक शक्तियों का कम होना है। राजयोग के अभ्यास से ही आत्मिक शक्तियों को जागृत किया जा सकता है। आज हमारे जवानों को जिस प्रकार से अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, उसके लिए उनके अंदर मनोबल की अत्यधिक आवश्यकता है। देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की भी परवाह न करने वाले ऐसे वीर जवानों के जीवन को तनावमुक्त रखने के लिए उन्हें आंतरिक रूप से सशक्त करना नितांत ज़रूरी है।

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. शुक्ला दीदी, आलोक राज, मुकेश पुरोहित, अनिल कुमार ठाकुर, ब्र.कु. अशोक गाबा व अन्य।

भारतीय सेना में सेवारत ब्रिगेडियर आलोक राज ने कहा कि यहाँ आने से पहले मेरे मन में बहुत प्रश्न थे, लेकिन अभी लगता है कि उनके सारे उत्तर मिल गये हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किया जा रहा ये कार्य वास्तव में सराहनीय है, श्रेष्ठ मूल्यों से ही श्रेष्ठ समाज का निर्माण हो सकता है।

मुकेश पुरोहित,डी.आई.जी., कोस्टकार्ड ने अपने सम्बोधन में कहा कि मैं यहाँ कुछ सीखने के लिए आया हूँ, जो कुछ भी मैं सीखकर जाऊंगा उसका लाभ दूसरों तक अवश्य पहुँचेगा। उन्होंने कहा कि यहाँ के वातावरण में आने से ही तनाव दूर हो जाता है। वर्तमान में देश के सुरक्षा बलों के सामने जिस प्रकार की चुनौतियाँ हैं उनको देखते हुए मुझे लगता है कि इन चुनौतियों का सामना करने में राजयोग बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

अनिल कुमार ठाकुर, कमाण्डर, बी.एस.एफ. ने कहा कि जब लड़ाई अपनों से होती है तो हारना ही बेहतर होता है, लेकिन जब लड़ना स्वयं से हो तो बहुत मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में उलझा हुआ है, निर्णय शक्ति कमज़ोर होती जा रही है। ऐसे समय में ब्रह्माकुमारीज़ मानव को उसके असली अस्तित्व का ज्ञान देकर आध्यात्मिक रूप से सशक्त बना रही है।

ब्र.कु. अशोक गाबा,माउण्ट आबू ने ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य दिन-रात देश की सेवा में रत जवानों और अधिकारियों के जीवन को तनावमुक्त बनाना है।

कार्यक्रम का संचालन भारतीय सेना में कार्यरत कर्नल सती ने किया। कार्यक्रम में भारतीय सेनाओं एवं अर्द्ध सेनाओं के 150 से भी अधिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

जैविक यौगिक खेती समय की मांग- बिसेन

किसान सशक्तिकरण महोत्सव का उद्घाटन करते हुए गौरीशंकर बिसेन, भालचन्द ठाकुर, महेन्द्र ठाकुर व ब्र.कु. राजू।

गोंदिया-महा.। रुचि एग्रो फार्म की ओर से उनके निजी फार्म पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ग्राम विकास प्रभाग की ओर से एक विशाल किसान सशक्तिकरण आध्यात्मिक महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस महोत्सव के दौरान ओम एग्रो के निदेशक भालचन्द ठाकुर तथा महेन्द्र ठाकुर जो नियमित राजयोग का अभ्यास करते हैं, उन्होंने अपने यौगिक खेती के अनुभव सुनाये तथा प्रेज़ेन्टेशन द्वारा पूरी खेती का दिग्दर्शन कराया।

माउण्ट आबू से आये ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. राजू ने सभी को राजयोगी जीवन जीने की कला बताते हुए यौगिक खेती की प्रेरणायें दी।

मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. शान्तनु ने अपनी शुभ कामनायें व्यक्त की।

मध्य प्रदेश शासन के कृषि मंत्री माननीय गौरीशंकर बिसेन ने वर्तमान समय की आवश्यकता जैविक यौगिक खेती पर अपने विचार व्यक्त किये तथा सरकारी योजनाओं से सभी को अवगत कराया।

इस अवसर पर गोंदिया लोकसभा क्षेत्र के सांसद नानाभाऊ पाटील, विधायक विजय रहांगडाले, डॉ. विजय, सूर्यवंशी जिला अधिकारी, जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी व नागपुर से आयीं ब्र.कु. रजनी, कामठी से ब्र.कु. प्रेमलता, ब्र.कु. रत्नमाला, बिलासपुर से ब्र.कु. राखी आदि ने भी अपनी-अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। सभी को योग का अभ्यास भी कराया गया। साथ-साथ जैविक यौगिक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया। इस महोत्सव में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के करीब 3000 किसानों, ब्र.कु. भाई बहनों एवं अधिकारियों ने बड़े उमंग उत्साह के साथ भाग लिया। 300 एकड़ ज़मीन पर आधुनिक एवं जैविक यौगिक खेती का जो मॉडल तैयार किया गया है, उसे दिखाते हुए किसानों को विशेष इस नई तकनीकि से भी अवगत कराया गया।

शरीर से ज़्यादा बीमारियाँ मन में हैं – स्वामीनाथन

भिलाई नगर। परिस्थिति, लोग हमें तनाव नहीं देते हैं, जब हमारी आंतरिक शक्ति कम होती है तब हमें तनाव होता है। शरीर से ज़्यादा बीमारियाँ मन में हैं। घर का कचरा रोज़ झाड़ू से साफ करते हैं तो मन के कचरे को भी परमानेंट डिलीट कर दें। उक्त उद्गार `तनाव-मुक्त खुशनुमा जीवन' विषय पर मुम्बई से आये अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रेरक वक्ता ब्र.कु. ई.वी. स्वामीनाथन ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि जितना हमारा मन रिलैक्स होगा उतने ही जल्दी हम प्रॉब्लम का समाधान कर सकते हैं। जीवन में क्यों, क्या, कब को कम करें। दस मिनट एकाग्रता की शक्ति को यूज़ करें। जो गलती करता है वह मनुष्य है और जो गलतियों को माफ कर देता है वो दिव्यता की ओर बढ़ रहे हैं। बड़ों की प्रॉब्लम है कि उन्हें जो याद रखना है वो भूल जाते हैं और जो भूलना है उसे याद करते रहते हैं। जीवन रूपी यात्रा में हमने कुछ न कुछ गलतियाँ की हैं। अपने आप को माफ करना मेडिटेशन द्वारा सहज हो जाता है। बच्चों के लिए स्मरण शक्ति का और बड़ों में शक्तिशाली मन का होना आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि हम नाराज़ तब होते हैं जब हमने राज़ को नहीं समझा। जो दिखता है वो होता नहीं, और जो नहीं दिखता है वो होता है। जिसे हम आत्मा कहते हैं, विज्ञान उसे ऊर्जा कहता है। शरीर बहुत सुंदर गाड़ी है, जो दिखता है और आत्मा नहीं दिखती है। बर्लिन यूनिवर्सिटी ने मनुष्य की ऑरा शक्ति को प्रूफ किया है। स्व के अस्तित्व में टिकने से ही तनाव मुक्त रह सकते हैं। पूरे कम्प्युटर को स्कैन करने में टाइम लगता है तो मन बुद्धि को स्कैन करने में थोड़ा समय तो लगेगा। संसार में हर मनुष्य योग नहीं करता, इसके लिए हमें प्राकृतिक विधियाँ अपनानी हैं। विज्ञान के साधन से हमारे मन में क्या चल रहा है उसे 6 सेकेण्ड पहले पता लगा लेते हैं।

खुशनुमा जीवन विषय पर सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. ई.वी. स्वामीनाथन।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 5th Dec 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।